

प्रेषक,

किशन नाथ,

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड

उद्यान भवन, चौबटिया, रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 09 मई, 2007

विषय: अनुदान संख्या-29 के आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत लेखाशीर्षक- 0301-अधिष्ठान के उप मानक मद, 48-महंगाई वेतन में उपलब्ध बचतों से रु0-1.76 लाख (रु0 एक लाख छिहत्तर हजार मात्र) का पुनर्विनियोग 27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति मद में करते हुए श्री आर0सी0 श्रीवास्तव, उपनिदेशक, (खा0प्र0) के एवं उनकी पुत्री कु0प्रगति श्रीवास्तव के उपचार हेतु चिकित्सा अग्रिम स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-73/लेखा-2/चि0प्र0अग्रिम/07-08 दिनांक 27 अप्रैल, 2007 तथा पत्र संख्या-88/एक-1(5)/2007-08 दिनांक 30/04/2007 तथा पत्र संख्या-89/लेखा-2/चि0प्र0अग्रिम/2007-08 दिनांक 30/04/2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनेत्तर-119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें, 03-औद्योगिक विकास-0301-अधिष्ठान के उप मानक मद 27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति में अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता के दृष्टिगत उक्त मानक मद में लेखाशीर्षक- 2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनेत्तर, 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-03-औद्योगिक विकास-0301-अधिष्ठान के उप मानक मद 48-महंगाई वेतन में उपलब्ध बचतों से रुपये-1.76 लाख (रु0 एक लाख छिहत्तर हजार मात्र) का पुनर्विनियोग संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार किये जाने की स्वीकृति प्रदान करते हुए राज्य कर्मचारी चिकित्सा परिचर्या नियमावली-1946 तथा शासनादेश संख्या-679/चि0-2-2006-437/2002 दिनांक 4.9.2006 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत श्री आर0सी0 श्रीवास्तव, उपनिदेशक (खा0प्र0), उद्यान निदेशालय तथा उनकी पुत्री कु0प्रगति श्रीवास्तव के उपचार में होने वाले व्यय हेतु क्रमशः रु0-2,50,984.00 तथा रु0-67,170.00 अर्थात् कुल रु0-3,18,154.00 (रु0 तीन लाख अठ्ठारह हजार एक सौ चौवन मात्र) की धनराशि को चिकित्सा अग्रिम के रूप में व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. उक्त अग्रिम धनराशि का भुगतान सीधे "मैक्स हेल्थ केयर इन्स्टीट्यूट लि0, दिल्ली" को किया जायेगा।
2. अग्रिम स्वीकृत होने की तिथि से तीन माह के अन्दर अथवा निरन्तर उपचार चलते रहने की दशा में उपचार समाप्ति के तीन माह के अन्दर, जो भी पहले हो अग्रिम के समायोजन हेतु प्रतिपूर्ति का दावा प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

..2/-

3. श्री श्रीवास्तव से उक्त अग्रिम का समायोजन उनके द्वारा दावा प्रस्तुत करने के उपरान्त एक मुश्त किया जायेगा।
  4. अग्रिम का समय से समायोजन करने के लिये शासनादेश संख्या-679/चि0-2-2006-437/2002 दिनांक 4.9.2006 द्वारा निर्धारित प्रारूप पर रखा जायेगा।
  5. निर्धारित समय के अन्तर्गत चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावा प्रस्तुत न करने की दशा में अग्रिम की वसूली श्री श्रीवास्तव के वेतन से एकमुश्त कर ली जायेगी, और एक मुश्त वसूली सम्भव न होने पर कारणों के विस्तृत परीक्षण के बाद औचित्यपूर्ण स्थिति में मासिक किरतों में न्यूनतम सम्भव वसूल किया जायेगा।
  6. जब तक उक्त अग्रिम का समायोजन नहीं हो जाता तब तक दूसरा अग्रिम किसी भी दशा में स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
  7. अग्रिम के रूप में स्वीकृत की जा रही धनराशि यदि प्रतिपूर्ति योग्य धनराशि से अधिक होती है, तो ऐसी दशा में अधिक धनराशि की वसूली नियमानुसार कर ली जाय।
  8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के लेखानुदानान्तर्गत अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401 फसल कृषि कर्म-00-आयोजनेत्तर-119 बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-03 औद्यानिक विकास-01-अधिष्ठान के उप मानक मद-27 चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति के नामें डाला जायेगा, तथा संगत उप मानक मद में उपलब्ध बजट व्यवस्था के अतिरिक्त अवशेष धनराशि का वहन संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र के कॉलम-1 की बचतों से किया जायेगा।
  9. यह आदेश वित्त विभाग के अशा0संख्या-57(NP)/वित्त अनुभाग-4/2007, दिनांक-08/05/2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक:-बी0एम0-15

भवदीय,

(किशन नाथ)

अपर सचिव।

संख्या:465/XVI/7/3(5)/07, तददिनांक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोडा/उप कोषाधिकारी, रानीखेत।
3. मुख्य चिकित्साधिकारी, अल्मोडा/देहरादून।
4. चिकित्सा अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
5. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
6. सम्बन्धित कर्मचारी।
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)

उप सचिव।



बी0एम0-15

पुर्नविनियोग 2007-08(4/12 भाग द्वारा स्वीकृत लेखानुदान के अन्तर्गत) अनुदान संख्या-29 (आयोजनेत्तर से आयोजनेत्तर)

नियंत्रक अधिकारी- निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, विभाग उत्तराखण्ड

प्रशासनिक विभाग-उद्यान एवं रेशम विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

(धनराशि रुपये हजार में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरलस) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि का स्थानान्तरण होना है।	पुर्नविनि यो ग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुर्नविनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-29 लेखाशीर्षक- 2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनेत्तर 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें 03-औद्योगिक विकास 01-अखिलान				अनुदान संख्या-29 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनेत्तर 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-03-औद्योगिक विकास 01-अखिलान			(क) संगत मद प्राविधानित धनराशि आवश्यकता अधिक होने कारण इसमें पुर्नविनि किया रहा है।
48-महंगाई वेतन-22414	5514	16724	176	27-चिकि0व्यय प्रतिपूर्ति- 176	452	22238	(ख) बचतों उपलब्धता आवश्यकता के कारण।
योग :-	22414	5514	16724	176(क)	176(ख)	452	22238

पुर्नविनियोग की संस्तुति की जाती है, तथा प्रमाणित किया जाता है, कि बजट में नुवल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156, में

नियंत्रित गणिताओं एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं हो रहा है।

2-15

उत्तराखण्ड शासन  
वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4  
संख्या-57 (NP)(1)/वि0अनु0-4/07  
देहरादून: दिनांक-08 मई, 2007

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,  
महालेखाकार,  
उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग।  
सहारनपुर रोड, देहरादून।

अर्जुन सिंह  
अपर सचिव(वित्त)

संख्या-465/XVI/07/3(05)/07, तददिनांकित। 9-5-07  
प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।  
1- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड।  
2- समस्त वरिष्ठ, कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।  
3- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।  
4- निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।  
5- गार्ड फाइल।

(सुनील श्री पांडेरी)  
उप सचिव।

५८९